Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi

शोले

Part 8

जय और वीरू रामलाल के साथ बाहर निकलते हैं।

रामलाल - आइये। (रामलाल अपना हाथ जेब में डालकर जय और वीरू के कमरे की चाबी को ढूँढता है पर चाबी मिलती नहीं।) सुनिये। आप लोग वहाँ चलिये, मैं चाबी ले कर आता हूँ। (वह वापस जाता है। जय और वीरू आगे चलते हैं।)

वीरू - जय।

जय - हम्म।

वीरू - तिजोरी में काफ़ी माल है।

जय - अहाँ।

वीरू - लगता है, इस गाँव के लोग सोना बहुत पहनते हैं। बोल। क्या बोलता है? (जय बरामदे पर खड़ी एक सुंदर महिला की ओर देखता है। इतने में रामलाल वापस आ जाता है। जय उससे पूछता है।)

जय - आह, काफ़ी बड़ा मकान है। अच्छा है। कौन-कौन रहता है यहाँ पर?

रामलाल - (सवाल का जवाब बिना दिये) चाबी। यह आप के रहने की जगह है। किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो पुकार लीजियेगा। (वह चलता है।)

वीरू - पुकार लेंगे।

जय - यार वीरू! चक्कर क्या है, कुछ समझ में नहीं आया।

वीरू - हमें क्या लेना है जय? दस हज़ार ठाकुर ने दे दिये हैं। बाक़ी आज रात को तिजोरी में झाड़ू मार कर फूट चलेंगे।

जय - हम्म। ठीक है। अगर रात को जागना है तो अभी सो लें।

वीरू - अच्छा।

दोनों बंगले के अन्दर जाते हैं, जहाँ कुछ आदमी उन का इन्तज़ार कर रहे हैं और उनसे लड़ने लगते हैं। जय और वीरू उन्हें पीट कर बाहर भगाते हैं। इतने में ठाकुर आ जाता है।

वीरू - ठाकुर साहब, ये लोग?

ठाकुर बलदेव सिंह - ये मेरे आदमी हैं।

वीरू - तो फिर इन्होंने हम पर हमला क्यों किया?

ठाकुर बलदेव सिंह - मैं देखना चाहता था अब भी तुममें वही हिम्मत और ताक़त है या वक़्त की दीमक ने तुम्हारे बाज़ुओं को खोखला कर दिया है।

जय - तो फिर क्या देखा आपने?

ठाकुर बलदेव सिंह - मैंने देखा तुम्हें यहाँ बुला कर मैंने कोई ग़लती नहीं की।

ठाकुर बलदेव सिंह चलता है।

वीरू - एक ग़लती की ठाकुर साहब। हमें तिजोरी खोल कर दिखा दी।

****

रात का समय है। जय और वीरू चुपचाप अपने कमरे से निकलते हैं और तिजोरी वाले कमरे में घुस जाते हैं। जब तिजोरी के पास जा कर वे उसे खोलने की कोशिश कर रहे होते हैं तभी अचानक पीछे से ठाकुर की बहू अन्दर आ जाती है।

ठाकुर की बहू - यह लो तिजोरी की चाबी। इस में मेरे वे गहने हैं, जो मेरे लिये बेकार हैं। मुझे अब कभी इन की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। थोड़े बहुत पैसे हैं। वे भी ले जाओ। अच्छा है। बाबू जी की झूठी उम्मीदें तो टूटेंगी जो उन्होंने तुम लोगों से लगा रखी हैं।

****

अगले दिन। जय ठाकुर की बहू के पास जा कर चाभी लौटाता है।

जय - सुनिये। कल रात जो हुआ, वह दुबारा नहीं होगा।

जेब = pocket (f)
ढूँढना = to search (vt)
चाबी = key (f)
अच्छी तरह = well (adv)
याद होना = to remember (vi)
ज़िंदा = alive (adj)
माल = goods (m)
सोना = gold (m)
पहनना = to wear (vt)
पुकारना = to call (vt)
चक्कर = confusion, circle, trick (m)
समझ में आना = to understand (vi)
झाड़ू मारना = to sweep away, to be done with it (vt)
फूटना = to split (vi)
जागना = to awake (vi)
सोना = to sleep (vi)
कोठरी = hut (f)
x का इन्तज़ार करना = to wait for x (vt)
लड़ना = to fight (vi, vt)
पीटना = to beat (vt)
फेंकना = to throw (vt)
इतने में = meanwhile (adv)
हमला करना = to attack (vt)
हिम्मत = courage (f)
ताक़त = strength (f)
दीमक = termite (f)
बाज़ू = arm (m)
खोखला = empty (adj)
ग़लती = mistake (f)
चुपचाप = sliently (adv)
तिजोरी = safe (f)
घुसना = to enter (vi)
अचानक = suddenly (adv)
पीछे से = from behind (adv)
बहू = daughter-in-law (f)
गहना = jewellert (m)
बेकार = useless (adj)
झूठा = false (adj)
उम्मीद = hope (f)
टूटना = to break (vi)
उम्मदि लगाना = to attach hope (vt)
लौटाना = to return (something) (vt)
दुबारा = again (adv)